

2nd October 2013

आज

गन्ने की खोई से 8800 मेगावाट बिजली उत्पादित कर सकती हैं चीनी मिलें



सम्मानित किये गये नरेंद्र मोहन

कानपुर, 1 अक्टूबर। शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन नई दिल्ली की ओर से लखनऊ में तीन दिवसीय 72वें अधिवेशन में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन को सरदार जी.एस. मान स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यह पदक चीनी उद्योग की

उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान हेतु प्रोफेशनल ऑफ दि इयर चुनकर दिया जाता है। नरेंद्र मोहन ने गन्ने की कटाई में यंत्रीकरण (मैकेनाइजेशन) के उपयोग विषय पर जागरूकता लाने हेतु प्रशंसनीय कार्य को चीनी उद्योग ने सराहा है। वही वर्तमान में चीनी मिलों से गन्ने की खोई से 3200 मेगावाट बिजली बन रही है जबकि ये मिले नई तकनीक इस्तेमाल कर 2200 मेगावाट बिजली बनाकर देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। संस्थान के निदेशक ने पत्रकारों को बताया कि संस्थान के शैक्षिक गतिविधियों में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं।

दैनिक जागरण 02-10-2013

शर्करा संस्थान के निदेशक को मिला गोल्ड मेडल

शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन को सरदार जी एस मान स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यह पदक चीनी उद्योग की उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रोफेशनल ऑफ दि इयर चुन कर दिया जाता है। लखनऊ में 26 से 28 सितंबर तक आयोजित हुए तीन दिवसीय अधिवेशन में देश एवं विदेश के विभिन्न भागों से चीनी एवं सहउद्योगों के लगभग एक हजार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था।

2nd October 2013

hindustantimes

NSI director awarded for cost-effective power generation

HT Correspondent

■ hcitykanpur@hindustantimes.com

KANPUR: The Sugar Technologists Association of India (STAI) adjudged National Sugar Institute (NSI) director Narendra Mohan as the 'Professional of the Year' at its annual convention at Lucknow on Sunday.

The association also gave the prestigious 'Sardar GS Mann Gold Medal' to Dr Mohan for his innovative and cost effective technologies and enhancing sugarcane productivity and recovery of sugar, both of which are significant causes of diminishing profitability of sugar factories.

Mohan had also developed the Biomass Integrated Gasifier-Gasifier Gas Turbine Cycle (BIG-GTCC) technology recently to suit Indian sugar factories. With the use of this technology, factories would be able to produce 75 to 100 Kilowatt power from one tonne of biomass (bagasse). At



■ NSI director Narendra Mohan

Sugar Technologists Association of India honoured Mohan as Professional of the Year and also awarded him the gave the prestigious 'Sardar GS Mann Gold Medal'.

present, sugar factories are only able to generate 40 to 50 Kilowatt power from one tonne of bagasse.

Speaking about the invention, Mohan said though it is a Belgium-based technology,

it has been made conducive to the Indian sugar industries to increase power generation from bagasse. He said under the BIG-GTCC technique, sugar technologists would first generate gas from bagasse and run the turbine for generating power. Later the gas discharged through the power generation process can be reused for generating steam to run the turbine. Thus from one ton of bagasse, a sugar factory would get 75 to 100 kilowatt power he added.

Mohan said, at present about 150 sugar factories in the country export surplus power of about 3800 megawatts to the grid, but with the new technology of power generation, industries could export 8800 megawatts of power to the grids.

Now, in order to popularise the new technology, the NSI would hold its first seminar in Belgaum on October 8 and the second seminar at Bangalore on November 8.